किस्म मुकदमा [illegible] मुकदमा नम्बर 153 / 2022

तारीख हुक्म	हुक्म कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारी[ख] अहकाम जो इ[स] हुक्म की तामी[ल] में जारी हुए
16/8/22	प्रार्थी/वादी/अपीलोट के वकील श्री श्रीराम विश्नोई यह प्रार्थना पत्र/वाद/अपील धारा 53, 188 R.T. Act राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत पेश किया है । जो दर्ज रजिस्टर हो । विप्रार्थी / प्रतिवादी / रेरपोडेंट जरिये नोटिस / सम्मन तलब होकर पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक 21/09/2022 को पेश है ।	
21/9/22	पत्रावली पेश हुई। वादी वकील उप० प्रतिवादीगण के सम्मन तामिल / अदम तामिल अप्राप्त, इन्तजार होकर आईन्दा दिनांक 27/12/22 को पेश हो।	
27/12/22	पत्रावली पेश हुई । पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यो मे व्यस्त है, मिसल इल्तवा होकर पत्रावली पुर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 21/3/23 को पेश हो।	
11/01/23	पत्रावली पेश हुई। वादी वकील उप मय वादी स्वयं उप०। वादी वकील [illegible] पत्रावली पेशी पर लेने बाबत [illegible] पत्रावली आज पेशी तारीख पर ली जा[illegible] वादी वकील [illegible] प्रार्थना पत्र पर पत्रावली आज पेशी तारीख पर ली गई। वादी वकील ने प्रार्थना पत्र वास्ते वाद विड्रो करने बाबत	बसद

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2023.04.06 10:20:15 IST
Reason: SelfAttested

पेश कर निवेदन किया कि उक्त अनवान का प्रकरण उक्त न्यायालय मे विचाराधीन है। उक्त अनवान के प्रकरण मे हमारे गांव के मोजिज लोगो ने आपसी समझाइस करके राजीनामा करवा दिया है। इसलिये हम उक्त प्रकरण को आगे नही चलाना नही चाहते है। इसलिये उक्त अनवान के प्रकरण को जरिये राजीनामा विड्रो किया जाता है।

वादी वकील द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को न्यायहित में स्वीकार किया जाकर उक्त अनवान के प्रकरण को जरिये राजीनामा विड्रो किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या से कम हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2023.04.06 10:20:15 IST
Reason: SelfAttested